स्वच्छता समाचार

खंड 4 | अंक 29

केंद्रीय मंत्री की कलम से

स्वच्छ भारत मिशन इस बात का सबसे बेहतरीन उदाहरण है कि व्यवहार में सामूहिक बदलाव एक राष्ट्र को कैसे बदल सकता है। शौचालयों से लेकर अपशिष्ट उपचार प्रणालियों तक, व्यक्तिगत विकल्पों से लेकर समुदायिक नेतृत्व वाले कार्य तक, स्वच्छता को आज एक दायित्व के रूप में नहीं, बल्कि एक साझा जिम्मेदारी के रूप में देखा जाता है। जैसे-जैसे हमारी यात्रा आगे बढ़ेगी, हमारा ध्यान प्रभाव को अधिक बनाने, परिणामों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने पर रहेगा कि हर गांव ODF Plus मॉडल बनने की दिशा में आगे बढ़े। व्यवहारवादी परिवर्तन इस यात्रा का केंद्र बिंदु है और भारत के लोग इसका नेतृत्व कर रहे हैं।

श्री सी. आर. पाटिल
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

केंद्रीय राज्य मंत्री की कलम से

देशभर में, महिलाएं स्वच्छ भारत मिशन की रीढ़ के रूप में उभरी हैं, जो ग्राम जल और स्वच्छता समितियों का नेतृत्व करती हैं, अपशिष्ट प्रणालियों का प्रबंधन करती हैं, मासिक धर्म स्वच्छता का समर्थन करती हैं, और शौचालय का उपयोग सुनिश्चित करना उनके समुदायों को आदर्श बनाता है। स्वच्छाग्रहियों से लेकर स्वयं सहायता समूहों ने कचरे को आजीविका के अवसरों में बदल दिया है, उनका नेतृत्व प्रतीकात्मक नहीं है, यह व्यावहारिक और शक्तिशाली भी है। SBM-G के तहत अपने प्रयासों को मजबूत करने के साथ-साथ हम महिलाओं की भागीदारी में निवेश करना जारी रखेंगे क्योंकि यह इस बात को सुनिश्चित करने का सबसे प्रभावी तरीका है कि स्वच्छता के लाभ निरंतर, समावेशी और समुदाय-केंद्रित हो।

श्री वी. सोमण्णा
केंद्रीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

सचिव की कलम से

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के शुभारंभ के साथ, हमने विचार और कार्रवाई के एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश किया है। यह केवल एक स्वच्छता, सर्वेक्षण ही नहीं है, बल्कि यह जवाबदेही को मजबूत करने, भागीदारी को बढ़ाने और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और समुदायों को ग्रामीण स्वच्छता परिणामों का स्वामित्व लेने के लिए प्रोत्साहित करने का एक साधन भी है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, सामंजस्य, सहयोग और सामूहिक शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। SBM-G की निरंतर सफलता प्रत्येक हितधारक को प्रगति में भागीदार बनाने में निहित है।

श्री अशोक कुमार कलुआराम मीना
सचिव, DDWS, जल शक्ति मंत्रालय

अपर सचिव और **मिशन निदेशक** के डेस्क से

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण सर्वेक्षण केवल रैंकिंग के बारे में नहीं है, अपितु यह जमीनी स्तर पर कार्रवाई को आगे बढ़ाने का एक उपकरण है। जिलों की भूमिका मुख्य है; जहां योजनाएं परिणामों को दर्शाती हैं। डैशबोर्ड, फ़ील्ड सत्यापन और नागरिक प्रतिक्रिया अब प्रक्रिया का हिस्सा है, जिला स्तर पर पाठ्यक्रम में सुधार हो सकता है, सेवा प्रदान करने में सुधार हो सकता है और लोगों को सार्थक रूप से संलग्न किया जा सकता हैं। सारा ध्यान सटीक मूल्यांकन और निर्णय लेने के लिए डेटा के उपयोग पर रहना चाहिए, न कि लक्ष्यों को पूरा करने पर।

श्री कमल किशोर सोन
अपर सचिव और मिशन निदेशक, जेजेएम्,
DDWS जल शक्ति मंत्रालय

कार्यक्रम की उपलब्धियां

दिनांक 31 मई, 2025 तक

ODF PLUS

- भारत के आबादी वाले गांवों में से **4.86 लाख** से अधिक **(83% से अधिक)** गांवों ने स्वयं को ODF Plus मॉडल घोषित किया है
- **5.17 लाख** से अधिक गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है
- **5.31 लाख** से अधिक गांवों में तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है
- **1,200** से अधिक पंजीकृत बायोगैस संयंत्र
- **900** से अधिक कार्यात्मक बायोगैस संयंत्र
- **85** बायोगैस संयंत्र में कार्य पूर्ण
- **2,000** से अधिक ग्रामीण प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयां स्थापित की गईं, जो **4,000** से अधिक प्रखण्डों को कवर करती हैं
- **6.3 लाख** से अधिक वाहन जो घर-घर कचरे का संग्रहण और इसकी ढुलाई करते है

पखवाड़ा गतिविधियां: अप्रैल 2025

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF POWER

विद्युत मंत्रालय

- REC मुख्यालय, दिल्ली में आयोजित उद्घाटन सत्र में स्वच्छता शपथ, अपशिष्ट से कला स्थापना और जागरूकता सत्र शामिल थे।
- शिलांग में NEEPCO कार्यालय के पास लैटकोर में CHQ, NEEPCO द्वारा आयोजित सफाई अभियान।
- GOMD V के तहत बरही और कोडरमा सबस्टेशनों के पास सरकारी स्कूल और मंदिर की सफाई की गई।
- श्रम शक्ति भवन और उसके आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- पश्चिम बंगाल में 18.05.2025 को NTPC फरक्का द्वारा नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया।
- लड़कियों और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छता पर सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें व्यक्तिगत स्वच्छता, ओरल केयर और मासिक धर्म स्वास्थ्य जैसे विषय शामिल थे।
- पावरग्रिड ने लखनऊ में वॉल पेंटिंग के माध्यम से स्वच्छता को बढ़ावा दिया।
- TP 3, DVC, कोडरमा थर्मल पावर प्लांट में सक्रिय कर्मचारियों की भागीदारी के साथ 25.05.2025 को स्वच्छता अभियान।
- गुरुग्राम की गढ़ीबाजिदपुर झील में प्लॉगिंग गतिविधि आयोजित की गई; हरियाणा के सरकारी स्कूलों में डस्टबिन लगाए गए।
- PFC ने राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, DDU मार्ग, नई दिल्ली में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- TGBPS, NEEPCO ने त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में एक सेल्फी बूथ स्थापित किया।
- REC ने सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में डस्टबिन लगाए।
- पावरग्रिड ने जम्मू में एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की; वाराणसी, मनोहरलालगंज और शाहजहांपुर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- GOMD V के तहत कोनार में डीवीसी स्कूल के छात्रों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- REC ने कार्यालय परिसरों के निकट विशेष स्वच्छता अभियान और गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से दान अभियान का आयोजन किया।
- NEEPCO ने VKV स्कूल, दोयांग, नागालैंड में कक्षा IX और X के छात्रों के लिए स्वच्छता जागरूकता सत्र आयोजित किया।

- THDCIL ने एक डॉक्टर के नेतृत्व में मासिक धर्म और व्यक्तिगत स्वच्छता पर एक सत्र की मेजबानी की, इसके बाद छात्राओं को सैनिटरी पैड वितरित किए गए।
- REC ने कर्मचारियों के लिए स्वच्छता प्रश्नोत्तरी और "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" प्रतियोगिता आयोजित की।
- PHPS, पापुमपारे जिला, अरुणाचल प्रदेश में NEEPCO कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।
- ग्रिड इंडिया ने पूर्ण कर्मचारी भागीदारी के साथ अपने कार्यालयों में स्वच्छ भारत शपथ दिलाई।

मई 2025 में स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

- राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान, बेंगलुरु में पुराने प्रशिक्षण मैनुअल और संबंधित फाइलों को हटा दिया गया।

मई 2025 में स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने दिल्ली में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (SSG) शुभारंभ किया

स्वच्छ और स्वस्थ ग्रामीण भारत बनाने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, केंद्रीय जल मंत्री श्री सी आर पाटिल ने नई दिल्ली में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (SSG) 2025 का शुभारंभ किया। DDWS द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण भारत की स्वच्छता यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री सी आर पाटिल ने "प्रबंधन को मापने" की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें स्वच्छ भारत मिशन जैसी प्रमुख पहलों को चलाने में डेटा के महत्व को रेखांकित किया गया। उन्होंने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से नवाचारों और सर्वोत्तम परिपाटियों को सक्रिय रूप से साझा करने का आग्रह किया। स्वच्छता को एक सतत यात्रा बताते हुए उन्होंने लोगों के नेतृत्व वाले स्वच्छता आंदोलनों के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर और सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

जल शक्ति और रेल राज्य मंत्री श्री वी सोमण्णा ने SSG 2025 को एक सर्वेक्षण से कहीं अधिक बताते हुए कहा कि यह ग्रामीण स्वच्छता परिणामों के आधार पर राज्यों और जिलों को रैंक देने का एक शक्तिशाली राष्ट्रीय सत्यापन उपकरण है।

उन्होंने कहा "हमारे गांव भारत की आत्मा हैं," तथा गांवों को दृश्यमान ODF Plus मॉडल में बदलने के लिए उन्होंने हितधारकों को प्रोत्साहित किया।

SSG 2025 ग्रामीण स्वच्छता की स्थिति के लिए एक सटीक मूल्यांकन प्रदान करेगा, जिसमें खुले में शौच मुक्त (ODF) Plus मॉडल परिणामों को बनाए रखने पर जोर दिया जाएगा। अंततः, SSG 2025 SBM-G चरण II लक्ष्यों का पालन करते हुए मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों मापदंडों के आधार पर सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और जिलों की राष्ट्रीय रैंकिंग प्रदान करेगा। **SSG 2025 34 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 761 जिलों के 21,000 गांवों को कवर करेगा।**

*अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें***

DDWS ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर जमीनी स्तर के नेतृत्व की भावना को सम्मानित किया

इस वर्ष का राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस इस वजह से एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक में बदल गया कि कैसे स्थानीय शासन स्वस्थ, स्वच्छ समुदायों को आकार देने में अग्रणी हो सकता है। 11 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 85,000+ ग्राम पंचायतों के 15 लाख से अधिक प्रतिभागियों के साथ, इस दिन पूरे भारत के गांव सामूहिक कार्रवाई की भावना के साथ जीवंत हो उठे।

शुरुआत से ही जमीनी स्तर पर जल, स्वच्छता और साफ-सफाई (WASH) के बारे में बातचीत को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। विशेष ग्राम सभाएं सार्थक चर्चा, चिंतन और संकल्प के लिए एक स्थान बन गईं। लोग WASH सस्टेनेबिलिटी के लिये प्रतिज्ञा लेने, WASH परिसंपत्ति प्रस्तावों को पारित करने और ग्राम जल और स्वच्छता समिति (Village Water and Sanitation Committee- VWSC) के सदस्यों के विवरण को प्रदर्शित करने के लिये एक साथ आए, जिससे पारदर्शिता और सामुदायिक भागीदारी पर अधिक ध्यान दिया गया।

वास्तव में जो बात सामने आई वह यह थी कि यह औपचारिक कार्यवाही का सिर्फ एक दिन ही नहीं था, बल्कि यह सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्वच्छता प्रतियोगिताओं, स्वास्थ्य शिविरों और स्वच्छता कर्मचारियों के लिए सम्मान और बहुत कुछ का उत्सव था। स्थानीय चैंपियनों, जो अक्सर पर्दे के पीछे काम करते थे, को महत्व दिया गया था।

इस अभियान में **#DDWSJoinsPanchayatiRajDay #PowerOfPanchayatForWASH** जैसे हैशटैग के साथ 22 मिलियन से अधिक सोशल मीडिया इंप्रेशन के साथ ऑनलाइन उछाल देखा गया। नागालैंड, मेघालय, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों ने अनूठी पहल की—प्रत्येक अभियान में ये राज्य अपनी विशिष्टता और दृष्टिकोण को लेकर आये चाहे वह प्रतिज्ञा अभियान में युवाओं को शामिल करना हो या एकीकृत स्वास्थ्य और स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन करना हो, उनकी ऊर्जा स्पष्ट दिखाई दे रही थी।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 2025 इस बात की घोषणा थी कि जब पंचायतें और समुदाय एक साथ आते हैं, तो वास्तविक परिवर्तन न केवल संभव होता है, बल्कि यह अपरिहार्य बन जाता है। अब जबकि हम सार्वभौमिक स्वच्छता और जल सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में अपनी यात्रा में आगे बढ़ रहे हैं, तो इस तरह के आयोजन हमारे विश्वास की पुष्टि करते हैं कि पंचायतें केवल शासन करने की संस्थाएं नहीं हैं, बल्कि ये लोगों द्वारा संचालित परिवर्तन के प्रकाश स्तंभ हैं।

DDWS रिपोर्ट कार्रवाई को पकड़ती है, यहां क्लिक करें

DDWS द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता दिवस 2025 को यादगार बनाने के लिए किया योगदान

DDWS ने मासिक धर्म स्वच्छता दिवस (MHM दिवस) 2025 को यादगार बनाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ योगदान किया। इस महत्वपूर्ण स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (SBM-G) के हिस्से के रूप में, इस अवसर ने ग्रामीण भारत में विशेष रूप से सामुदायिक नेतृत्व संबंधी प्रयासों, प्रमुख भागीदारों के साथ सामंजस्य और सभी स्तरों पर जागरूकता अभियानों के माध्यम से मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य तथा स्वच्छता परिणामों में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस रिपोर्ट-2025

राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम: संसद टीवी और MoHFW का सहयोग
इस दिवस को मनाने के लिए, DDWS ने संसद टीवी पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया, जहां SBM-G की निदेशक सुश्री स्वप्ना देवीरेड्डी ने MHM स्पेस संबंधी प्रमुख चुनौतियों और प्रगति के संबंध में बात की। चर्चा में मासिक धर्म संबंधी सुरक्षित उत्पादों, स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच और मासिक धर्म के संबंध में बातचीत करने में संकोच को खत्म करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

SBM-G के निदेशक श्री करनजीत नंगमबम ने MoHFW के राष्ट्रीय कार्यक्रम में विभाग का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने नई आईईसी सामग्रियों की शुरुआत करने में मदद की और जागरूकता प्रयासों का नेतृत्व करने तथा रोजमर्रा के सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी संवाद में मासिक धर्म स्वच्छता को शामिल करने में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की भूमिका पर जोर दिया।

MHM दिवस 2025 स्वच्छता से जुड़ी मासिक धर्म स्वच्छता पहल के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने के महत्व के सामूहिक प्रमाण के रूप में खड़ा था। SBM-G चरण II के साथ मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य को अपने ढांचे के भीतर एकीकृत करना जारी रखते हुए, DDWS सामंजस्य, सामुदायिक भागीदारी और लक्षित संचार के माध्यम से एक **#PeriodFriendlyIndia** बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

DDWS रिपोर्ट कार्रवाई को पकड़ती है, यहां क्लिक करें

गोबरधन योजना द्वारा बिहार का पंसलवा बन रहा एक स्वच्छ ऊर्जा चैंपियन गांव

बिहार के खगड़िया जिले के पंसलवा के छोटे से गांव को कुछ समय पहले तक वहां के कुछ ग्रामीण समुदायों को धुएँ से भरी रसोई, खराब स्वच्छता और सीमित आजीविका वाली विकल्पों से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। तथापि आज, यह एक सफलता की कहानी के रूप में सामने आती है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे गाय का गोबर और रसोई से निकला कचरा भी घरों, बिजली फार्मों को रोशन कर सकता है तथा जीवनयापन को समृद्ध बना सकता है।

यह परिवर्तन SBM-G के तहत भारत सरकार द्वारा 2018 में शुरू की गई गोबरधन योजना के साथ शुरू हुआ। यह विचार सरल लेकिन प्रभावशाली था: स्वच्छता को बढ़ावा देने और ग्रामीण आय में वृद्धि करते हुए पशु गोबर तथा जैविक कचरे को बायोगैस और खाद में परिवर्तित करना।

जब यह योजना पंसलवा पहुंची, तो शुरुआत में यह ग्रामीणों के बीच एक हिचकिचाहट का कारण बनी कि यह कैसे कार्य करेगा और क्या यह एक स्थायी मॉडल है। इन सवालों का जिला जल और स्वच्छता समिति (DWSC) द्वारा समाधान किया गया था, जिन्होंने इन सवालों के जवाब देने और विश्वास बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उन्होंने जागरूकता सत्र, प्रशिक्षण और आमने-सामने बातचीत का आयोजन किया ताकि लोगों को न केवल बायोगैस, बल्कि स्वच्छ ईंधन, जैविक खाद के माध्यम से बेहतर खेती और आय सृजन के अवसरों की योजना के कई लाभों को देखने में मदद मिल सके। DWSC के हस्तक्षेप के सबसे बड़े प्रभावों में से एक समुदाय में आपसी समझ बनाने में था कि यह संयंत्र गांव के लिए कोई अन्य सरकारी योजना नहीं थी; यह गांव की अपनी योजना थी। यह समझ कि यह 'गोबरधन संयंत्र आपका है, इससे होने वाले लाभ आपके हैं, और इसकी जिम्मेदारी भी आपकी है'।

पंसलवा में सफलता सिर्फ एक संयंत्र से संबंधित नहीं है, इसका संबंध इस बात से भी है कि जब सरकारी योजनाएं, तकनीकी विशेषज्ञता और सामुदायिक स्वामित्व एक साथ आते हैं, तब कुछ भी असंभव नहीं रह जाता।

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

निर्मल के खिलौना निर्माताओं के लिए आशा की एक किरण: पोनिकी वनम के माध्यम से विरासत को पुनर्जीवित करना

निर्मल खिलौना बनाने की विरासत, तेलंगाना का एक संपन्न शिल्पकला, लंबे समय से अपनी अद्भुत कलात्मकता और पोनिकी लकड़ी के उपयोग के लिए जाना जाता है। तथापि, हाल के वर्षों में, बदलती पारिस्थितिक परिस्थितियों और पलित मिट्टी के कारण इस सॉफ्टवुड की कमी ने शिल्पकलाओं के अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। आवश्यक कच्चे माल तक सीमित पहुंच के परिणामस्वरूप, कई कारीगरों को अपनी परंपरा को छोड़ने या प्रभावहीन विकल्पों की ओर मुड़ने की संभावना का सामना करना पड़ा जिससे उनके काम की गुणवत्ता और पहचान कम हो गई।

इस चुनौती का समाधान करने के लिए, जिला प्रशासन ने पोनिकी के पेड़ उगाने के लिए गोपालपेट गांव में छह एकड़ में समर्पित वृक्षारोपण पोनिकी वनम का शुभारंभ किया। DRDA और वन विभाग के नेतृत्व में इस प्रयास में वैज्ञानिक स्थल तैयार करना तथा उत्तराखंड से प्राप्त 5,000 से अधिक पोनिकी पौधे लगाना शामिल था। यह परियोजना अनुसंधान, समर्थन और सरकारी सहायता में निहित एक समन्वित लक्ष्य को दर्शाती है-यह सुनिश्चित करती है कि कारीगरों के पास एक बार फिर अपने शिल्पकला के लिए आवश्यक लकड़ी तक स्थायी पहुंच उपलब्ध हो।

एक सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने से परे, पोनिकी वनम ग्रामीण स्थिरता की ओर एक व्यापक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। यह कारीगर से संबंधित आजीविका का समर्थन करता है, पारिस्थितिक बहाली को प्रोत्साहित करता है, और स्थानीय उद्यम को बढ़ावा देता है। यह पहल विश्व पर्यावरण दिवस के भूमि बहाली तथा लचीलापन के विषयों के साथ भी संरेखित होती है, जिसमें दिखाया गया है कि विरासत और पर्यावरणीय प्रबंधन किस प्रकार साथ-साथ चल सकते हैं।

इसके अलावा, यह प्रयास स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण चरण II के लक्ष्यों को प्रतिध्वनित करता है, जो चक्रीय अर्थव्यवस्था, आजीविका और सतत ग्रामीण विकास पर जोर देता है। जैसे-जैसे पौधे जड़ पकड़ते हैं और बढ़ते हैं, वे सांस्कृतिक पुनरुत्थान, पर्यावरण नवीकरण तथा सामुदायिक सशक्तिकरण जिम्मेदारी निभाने का वादा करते हैं-यह सुनिश्चित करते हुए कि निर्मल खिलौनों की कहानी आने वाली पीढ़ियों तक जारी रहे।

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

प्रथाओं को छोड़कर: श्रद्धा तिवारी ने किया मासिक धर्म की महता का प्रसार

मासिक धर्म एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है, फिर भी ग्रामीण भारत में लाखों लड़कियां हर महीने चुप्पी, शर्म और सामाजिक रूप से बहिष्कृत होने का अनुभव करती रहती हैं। इसलिए, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (MHM) केवल स्वास्थ्य से संबंधित नहीं है, यह गरिमा, शिक्षा और सशक्तिकरण से भी संबंधित है।

यह उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर की 16 वर्षीय श्रद्धा तिवारी के लिए विशेष रूप से सच था। मासिक धर्म के साथ श्रद्धा का शुरूआती अनुभव, कई किशोर लड़कियों की तरह, श्रम और सामाजिक वर्जनाओं से घिरा हुआ था। उसकी माँ ने उसे सख्त निर्देशों के साथ कपड़े का एक टुकड़ा दिया: कोई भी मंदिर में प्रवेश नहीं करना, बाल नहीं धोना, और इसके बारे में कोई खुले तौर पर चर्चा नहीं करनी है। इस तरह की गोपनीयता ने शर्म और चिंता की भावनाओं को बढ़ावा दिया, जिससे उसका आत्मसम्मान और दैनिक जीवन प्रभावित हुआ।

महत्वपूर्ण बदलाव तब आया जब उनकी शिक्षिका सुश्री संगीता गुप्ता ने साहसपूर्वक कक्षा के ब्लैकबोर्ड पर "मासिक धर्म" शब्द लिखा। यह वर्जना को तोड़ने का केवल एक पहला कदम था। स्वच्छ गरिमा विद्यालय पहल द्वारा सशक्त, श्रद्धा ने एक शर्मीली किशोरावस्था से मासिक धर्म संबंधी गरिमा की रक्षा के लिए एक शक्तिशाली आवाज में स्वयं को परिवर्तित किया।

आज, श्रद्धा अपने स्कूल के मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता प्रबंधन क्लब की अध्यक्ष हैं, जो कार्यशालाओं का नेतृत्व करती हैं जहां लड़के और लड़कियां दोनों सैनिटरी पैड बनाना सीखते हैं, मासिक धर्म पर खुलकर चर्चा करते हैं, तथा लंबे समय से चले आ रहे मिथकों को चुनौती देते हैं। कई छात्रों और समुदाय के सदस्यों ने उनके इंटरैक्टिव सत्रों में भाग लिया है, न केवल सुरक्षित मासिक धर्म संबंधी व्यवहारों के बारे में बल्कि कपड़े के पैड और मासिक धर्म कप जैसे स्थायी विकल्पों के बारे में भी सीखा है। उनके प्रयासों ने जागरूकता में काफी वृद्धि की है, पुरुष साथियों और शिक्षकों के बीच सहानुभूति को प्रोत्साहित किया है, तथा परिवारों में आवश्यक बातचीत शुरु की है।

श्रद्धा की प्रेरणादायक यात्रा ने उनकी बहादुरी और नेतृत्व को पहचानते हुए महत्वपूर्ण मीडिया कवरेज को आकर्षित किया है। टाइम्स ऑफ इंडिया और इंडिया टुडे जैसे आउटलेट्स में उनकी कहानी प्रमुखता से दिखाई गई, मासिक धर्म संबंधी कलंक से निपटने में शिक्षा और खुले संवाद की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डालती है।

ये पहल महत्वपूर्ण शिक्षा, सुविधाएं और बुनियादी ढांचा प्रदान करती हैं जिसमें भस्मक तथा सुरक्षित स्वच्छता विकल्प शामिल हैं जो श्रद्धा जैसी लड़कियों को अपनी गरिमा को पुनः प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाते हैं। जैसा कि हम मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाते हैं, श्रद्धा की कहानी हमें उस गहन क्षमता की याद दिलाती है जिसे तब प्रस्तुत किया जा सकता है जब चुप्पी शिक्षा और सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करता है। मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता केवल पीरियड्स को प्रबंधित करने से संबंधित नहीं है-यह जीवन, समुदायों और भविष्य को बदलने से भी संबंधित है।

This small-town UP girl is schooling teens on periods, teaching boys to make pads

In a UP village, 16-year-old Shraddha Tiwari is leading a revolution, educating both girls and boys about menstrual hygiene, changing family conversations while involving fathers, and working alongside Swachh Bharat Mission's school initiative.

Listen to Story

Share

Now, every Saturday, the Menstrual Hygiene Management (MHM) Club becomes a safe space for conversations that go beyond textbooks.

Through workshops, she teaches both girls and boys about menstrual hygiene. The focus is on awareness, education and empowerment – three core areas to change how periods are viewed in small towns and rural spaces. These meetings have helped build confidence among girls and encouraged an open dialogue.

"One of our most impactful efforts was setting up a stall on menstruation during the school's science exhibition," says Shraddha.

She soon joined the Menstrual Hygiene Management Club run under the initiative.

"It changed everything for me," Shraddha says. She realised that educating her peers could empower them.

In the club, the students – both girls and boys -- learned how to make cotton pads and discuss important topics like how to use and dispose them properly. They also learn about the variety of menstrual health products available besides pads, such as tampons, menstrual cups, and more.

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

SPM NIWAS-कोलकाता: प्रशिक्षण संबंधी विशेषताएं और आगामी कार्यक्रम

मई 2025 :

SPM NIWAS ने मई, 2025 में कई प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए, जिसमें प्रतिभागियों को स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर आवश्यक ज्ञान प्रदान किया गया।

9 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए जिनमें 120 प्रतिभागी थे।

व्यक्तिगत प्रशिक्षण:

- SBM-P-05/Q1 25-26: अपशिष्ट प्रबंधन में सामुदायिक जुड़ाव और IEC (SWM, LWM & PWM)
- SBM-P-15/Q1 25-26: SBM (G)-II पर प्रशिक्षकों (ToT) का प्रशिक्षण
- SBM-P-06/Q1 25-26: SBM (G)-II म आईईसी/एसबीसीसी क भू मका और सोशल मी डया का इ तम उपयोग।
- SBM-P-09: SBM (G) म पंचायती राज सं ाओं क भू मका और भागीदारी

ऑनलाइन प्रशिक्षण:

- SBM-OL-04/Q1 25-26: प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमों पर प्रशिक्षण।
- SBM-OL-05/Q1 25-26: ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों पर प्रशिक्षण।
- SBM-OL-06/Q1 25-26: मासिक धर्म स्वच्छता और मासिक धर्म अपशिष्ट प्रबंधन।
- SBM-OL-07/Q1 25-26: मलीय कचरा प्रबंधन के संचालन और रखरखाव पर प्रशिक्षण।
- SBM-OL-08/Q1 25-26: मलीय कचरा प्रबंधन के संचालन और रखरखाव पर प्रशिक्षण।

पंजीकरण और संपर्क

पंजीकरण के लिए इस लकि का उपयोग करें:

https://docs.google.com/document/d/1NA0muom7mDwUtc9CfE0c47kaIEQlPge-/edit?usp=sharing&ouid=110205513592091776317&rtpof=true&sd=true

अधकि जानकारी के लिए संपर्क करें:

Chaitali Mondal – chaitali2377@gmail.com | +91 9378351386

स्वच्छता समाचार

नीचे क्रॉसवर्ड पहेली को पूरा करें

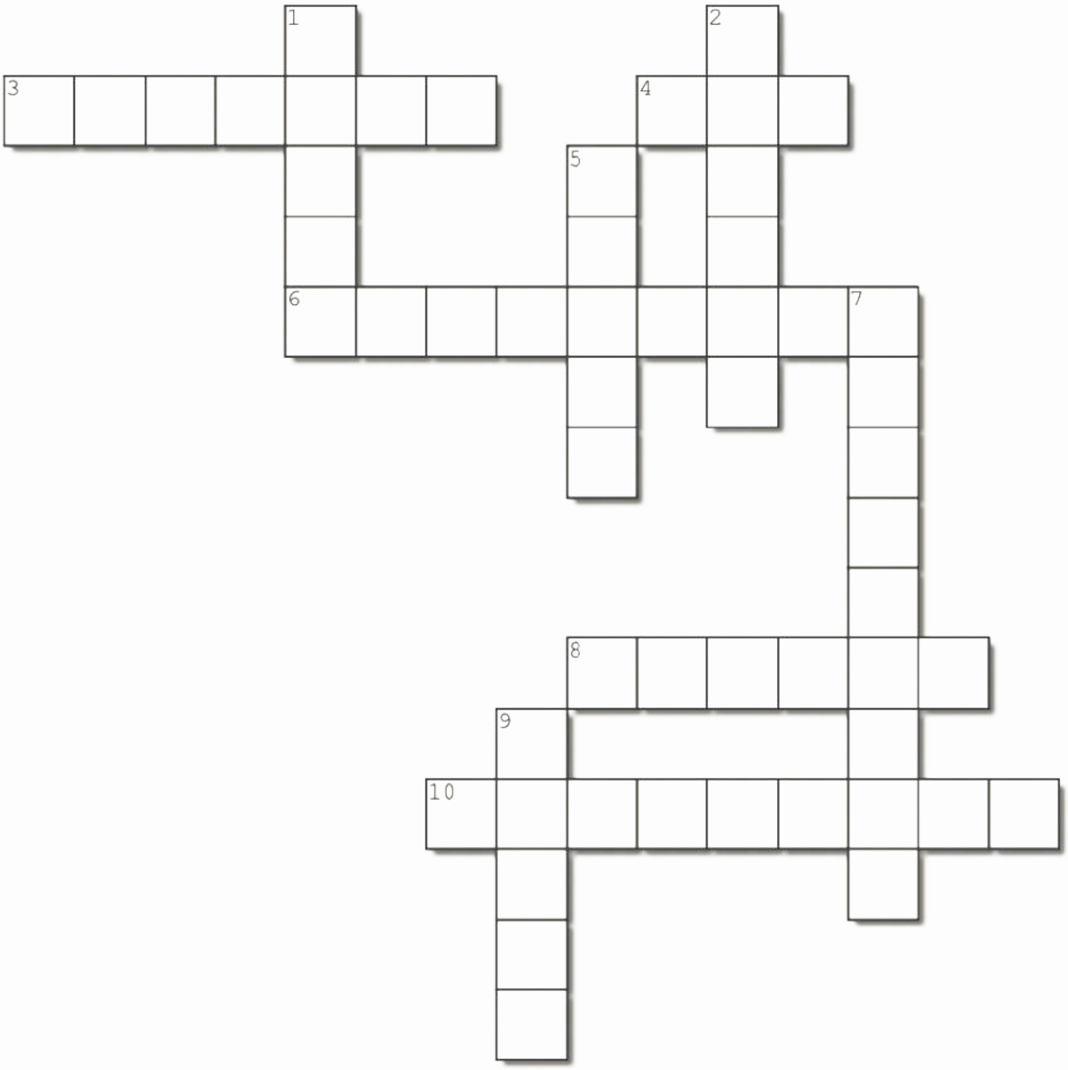

आरपार

3. जैविक उर्वरक के लिए SBM के तहत बढ़ावा दिया गया एक बायोडिग्रेडेबल उत्पाद।
4. SBM किस SDG के साथ संरेखित है?
6. प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए SBM द्वारा प्रोत्साहित एक स्थायी अभ्यास
8. SBM में प्रोत्साहित जैविक कचरे से ईंधन में संसाधित सामग्री
10. SBM ग्रामीण क्षेत्रों को इस पांच सितारा स्थिरता रेटिंग को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

नीचे

1. .... धन
2. स्वयं को ODF घोषित करने वाला पहला राज्य
5. स्वच्छता के लिए कीचड़ का .... प्रबंधन
7. ये समुदाय संचालित सुविधाएं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक SBM नवाचार हैं
9. स्वच्छता और प्रकृति का प्रतिनिधित्व करने वाला रंग

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए, हर महीने की 15 तारीख से पहले sbmiec.ddws@gmail.com पर अपनी प्रस्तुति साझा करें।

सत्यमेव जयते
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
फोनः 011–24362192 | ईमेलः arun.baroka@nic.in